



BACKGROUNDERS

Press Information Bureau

Government of India

वीर बाल दिवस

प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

साहस का सम्मान, उम्र की सीमाओं से परे उत्कृष्टता को प्रोत्साहन

26 दिसंबर, 2025

मुख्य बिंदु

- वीर बाल दिवस हर साल 26 दिसंबर को गुरु गोविंद सिंह जी के दो सबसे छोटे पुत्रों साहिबजादा ज़ोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी की शहादत के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मनाया जाता है।
- यह दिन भारत के युवा नायकों की हिम्मत, बलिदान और बेहतरीन मूल्यों को याद करने के लिए मनाया जाता है।
- भारत के राष्ट्रपति ने 5 से 18 साल के बच्चों को बहादुरी, खेल, समाज सेवा, विज्ञान और टेक्नोलॉजी, पर्यावरण और कला और संस्कृति के क्षेत्र में शानदार उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया।

प्रस्तावना

भारत सरकार हर साल 26 दिसंबर को गुरु गोविंद सिंह जी के बेटों साहिबजादा ज़ोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी की शहादत की याद में वीर बाल दिवस मनाती है। इसका उद्देश्य देश के इन दो युवा नायकों की बहादुरी का सम्मान करना और आज के युवाओं में अनुकरणीय साहस और बलिदान की भावना पैदा करना है।

ऐतिहासिक संदर्भ

गुरु गोबिंद सिंह जी के दो सबसे छोटे बेटे, साहिबजादा ज़ोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी, जो दसवें सिख गुरु थे, उन्हें 26 दिसंबर, 1704 को सरहिंद (आज का फतेहगढ़ साहिब, पंजाब) में ज़बरदस्ती अपना धर्म छोड़ने से इनकार करने पर ज़िंदा दीवारों में चुनवा दिया गया और वे शहीद हो गए।

साहिबजादों की शहादत देश के लिए आस्था, साहस और नैतिक शक्ति का एक स्थायी प्रतीक है। यह सिख गुरुओं की विरासत, उनके साहस और समर्पण का एक पूजनीय और प्यारा प्रतीक है। इतनी कम उम्र में भी, इन युवा नायकों ने बेजोड़ बहादुरी के साथ डर के बजाय सच्चाई और गरिमा को चुना। उनका बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है और देश की सामूहिक ऐतिहासिक स्मृति में एक केंद्रीय स्थान रखता है। इस दिन उनकी बहादुरी का सम्मान करने और याद करने के लिए गुरुद्वारों में प्रार्थना और कीर्तन किए जाते हैं।

उद्देश्य और पालन

अपनी शुरुआत से ही, वीर बाल दिवस पूरे देश में दो युवा शहीदों की बहादुरी का सम्मान करने और आज के युवाओं को उनके बलिदान के बारे में जागरूक करने के लिए मनाया जाता है। पूरे देश के स्कूलों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इनमें निबंध लेखन, क्विज, बहस, कहानी सुनाने के सेशन, कला कार्यक्रम, युवा मार्च, और सार्वजनिक श्रद्धांजलि, सांस्कृतिक प्रदर्शन, और दिन की भागीदारी और समावेशी प्रकृति को उजागर करने वाली अन्य युवा-केंद्रित गतिविधियाँ शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में ऐतिहासिक बलिदान को समकालीन नागरिक मूल्यों से जोड़ने वाली श्रद्धांजलि और भाषण भी शामिल होते हैं। यह कार्यक्रम भारत के युवाओं की असाधारण प्रतिभा, रचनात्मकता और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में काम करता है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर आकर देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव के तौर पर बच्चों को सशक्त बनाने के महत्व को फिर से दोहराया।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी)

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी), भारत की माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाने वाला एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार है, जो विभिन्न क्षेत्रों में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाता है।

यह पुरस्कार छह श्रेणियों में दिया जाता है: वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी। इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देकर उन्हें प्रोत्साहित करना और प्रेरित करना है। साथ ही, इस पुरस्कार को देने का उद्देश्य वास्तविक जीवन के आदर्शों को प्रदर्शित करके देश भर के बच्चों को प्रेरित करना भी है। प्रभावशाली प्रयासों को उजागर करके, यह पुरस्कार नवाचार, सेवा और दृढ़ता की संस्कृति को बढ़ावा देता है। इस पहल के ज़रिए भारत सरकार बाल कल्याण, समग्र विकास और युवा उपलब्धि हासिल करने वालों में राष्ट्रीय गौरव को पोषित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है।



योग्यता मानदंड

यह पुरस्कार भारत में रहने वाले और दिए गए वर्ष की 31 जुलाई को 5 से 18 वर्ष की आयु के भारतीय नागरिकों को दिया जाता है। जिस कार्य, घटना या उपलब्धि के लिए उन्हें नॉमिनेट किया जा रहा है, वह आवेदन की अंतिम तिथि से दो साल पहले हुई होनी चाहिए।

नॉमिनेशन और चयन

चयन PMRBP समिति द्वारा किया जाता है, जिसका गठन माननीय महिला एवं बाल विकास मंत्री द्वारा किया जाता है और जिसकी अध्यक्षता सचिव, MWCD करते हैं, जिसमें डोमेन विशेषज्ञ सदस्य होते हैं। पुरस्कार केवल समिति की सिफारिश पर, उपलब्धियों की असाधारण योग्यता और सामाजिक

प्रभाव के आधार पर दिए जाते हैं, और माननीय महिला एवं बाल विकास मंत्री द्वारा अनुमोदित होते हैं।

पुरस्कारों की संख्या

प्रति वर्ष अधिकतम 25 पुरस्कार दिए जाते हैं। PMRBP समिति असाधारण मामलों में इस सीमा में छूट दे सकती है। प्रत्येक पुरस्कार में एक पदक और एक प्रमाण पत्र होता है।

मरणोपरांत पुरस्कार

यह पुरस्कार आम तौर पर मरणोपरांत नहीं दिया जाता है। हालांकि, दुर्लभ और अत्यधिक योग्य मामलों में, PMRBP समिति मरणोपरांत पुरस्कार देने पर विचार कर सकती है।

वीर बाल दिवस और प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार कार्यक्रम 2025

इस साल 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 20 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए चुना गया है। ये पुरस्कार भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्वौपदी मुर्मू ने 26 दिसंबर 2025 को सुबह 10:00 बजे विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किए।

वीर बाल दिवस 2025 का एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम 26 दिसंबर 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत के बच्चों और युवाओं को संबोधित किया और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर ज़ोर दिया। इस कार्यक्रम में बहादुरी, सहनशक्ति और निस्वार्थ सेवा की कहानियों को उजागर किया गया, जिससे बच्चों और युवाओं को प्रेरणा मिली और विकसित भारत@2047 के अनुरूप सशक्त और जिम्मेदार नागरिकों के पोषण के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

इस कार्यक्रम में देश भर से स्कूली बच्चे, PMRBP पुरस्कार विजेता और गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

नीचे पीएमआरबीपी 2025 के पुरस्कार विजेताओं की सूची दी गई है, जिसमें उनकी उपलब्धियाँ और संबंधित पुरस्कार श्रेणियाँ शामिल हैं।



S. No.	Name & Place	Age	About the Awardees
Bravery			

1	Vyoma Priya (Posthumous) Coimbatore, TN	9 years	Lost her young life while selflessly trying to save a six-year-old child during an electrical accident, displaying extraordinary courage beyond her years.
2	Kamlesh Kumar (Posthumous) Kaimur, Bihar	11 years	Gave up his life in a brave and instinctive attempt to rescue another child from drowning.
3	Muhammed Sidan P Palakkad, Kerala	11 years	Acted without fear to save two of his friends from electrocution, putting their lives above his own safety.
4	Ajay Raj Agra, UP	9 years	Showed remarkable fearlessness by saving his father from a crocodile attack near their village river.
Art and Culture			
5	Esther Lalduhawmi Hnamte Lunglei, Mizoram	9 years	Touched millions across the country with her heartfelt renditions of patriotic songs, inspiring national pride through her young voice.
6	Suman Sarkar Nadia, WB	16 years	A gifted tabla prodigy whose exceptional talent has earned him admiration and accolades on the global stage.
Environment			
7	Pooja Barabanki, UP	17 years	Driven by concern for her surroundings, she created an innovative machine to reduce agricultural dust and air pollution.
Social Service			
8	Shvan Singh Ferozepur, Punjab	10 years	Displayed rare courage during Operation Sindoar by carrying out dangerous supply runs to support frontline soldiers.

9	Vansh Tayal Chandigarh	17 years	Despite early hardships, he chose compassion over comfort and dedicated himself to the rehabilitation of children, including those with special needs.
Science and Technology			
10	Aishi Prisha Borah Jorhat, Assam	14 years	Inspired by sustainability, she promotes eco-friendly practices such as natural farming and innovative mulching techniques.
11	Arnav Anupriya Maharshi Aurangabad, Maharashtra	17 years	A young divyang innovator who turned personal challenges into purpose by developing an AI-based rehabilitation tool for hand paralysis.
Sports			
12	Shivani Hosuru Uppara Annamayya, Andhra Pradesh	17 years	A determined divyang para-athlete who has brought pride to the nation through her achievements in shot put and javelin.
13	Vaibhav Sooryavanshi Samastipur, Bihar	14 years	A cricket sensation whose record-breaking performances have made him the youngest IPL player and fastest Indian centurion in the league.
14	Yogita Mandavi Kondagaon, Chattisgarh	14 years	Rising from a naxal-affected region, she overcame immense challenges to become a national-level Khelo India judoka.
15	Vaka Lakshmi Pragnika Surat, Gujarat	7 years	A young chess prodigy who stunned the world by becoming Under-7 World Champion with a flawless 9/9 score.
16	Jyoti Sirsa, Haryana	17 years	An inspiring international para-athlete whose medal-winning performances reflect resilience, strength, and determination.

17	Anushka Kumari Ranchi, Jharkhand	14 years	One of only five girls from Jharkhand selected for the Indian Under-17 Women's Football Team, known for her consistent goal-scoring ability.
18	Dhinidhi Desinghu Bengaluru, Karnataka	15 years	A promising swimmer who has made India proud on the global stage and became one of the youngest Indians to compete at the Paris 2024 Olympics.
19	Jyoshna Sabar Gajapati, Odisha	16 years	A powerful young weightlifter who set a Youth Asian record and continues to bring international medals home for India.
20	Vishwanath Karthikey Padakanti Medchal- Malkajgiri, Telangana	16 years	A fearless mountaineer who conquered the world's highest peaks, becoming the youngest to complete the Seven Summits Challenge.

निष्कर्ष

वीर बाल दिवस साहिबजादों की शहादत की स्मृति को संस्थागत रूप देने और ऐतिहासिक स्मृति को समकालीन प्रेरणा के स्रोत में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल है। हर साल 26 दिसंबर को मनाया जाने वाला यह दिवस, भारत सरकार द्वारा मूल्य-आधारित शिक्षा, युवा भागीदारी और ऐतिहासिक चेतना के संरक्षण पर दिए जाने वाले फोकस को दर्शाता है। समन्वित राष्ट्रीय कार्यक्रमों और स्कूली स्तर पर व्यापक भागीदारी के ज़रिए, वीर बाल दिवस भावी पीढ़ियों में साहस, सत्यनिष्ठा और नैतिक शक्ति की भावना पैदा करने के लिए एक श्रद्धांजलि और एक दूरदर्शी पहल के रूप में उभरा है।

संदर्भ

महिला और बाल कल्याण मंत्रालय

https://www.google.com/url?sa=t&source=web&rct=j&opi=89978449&url=https://cdnbbsr.s3waas.gov.in/s371e09b16e21f7b6919bbfc43f6a5b2f0/uploads/2025/05/20250524679249072.pdf&ved=2ahUKEwiasKqkktORAxU22TgGHS1AM3AQFnoECDMQAQ&usg=AOvVaw2WRZpS6y96_70GdCW5sgZL

<https://www.google.com/url?sa=t&source=web&rct=j&opi=89978449&url=https://gurunanakcollege.edu.in/2024/1/2/The%2520Four%2520Sahibzadas%2520English.pdf&ved=2ahUKEwijttCq9MORAxWR7jgGHXK1FswQFnoECEUQAQ&usg=AOvVaw2LbXKeZue50Pn425qve8al>

अमृतकाल

<https://amritkaal.nic.in/event-detail?183731>

<https://www.mygov.in/task/martyrdom-brave-sons-guru-govind-singh-ji-essay-contest/>

https://www.cgiguangzhou.gov.in/news_detail/?newsid=169

पीआईबी

<https://www.pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=1990383®=3&lang=2>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1991884®=3&lang=2https://www.pib.gov.in/PressReleaselframePage.aspx?PRID=1881187®=3&lang=2>

पीआईबी शोध

पीके/केसी/एनएस